9 Hindi Kshitij - Chapter 4: साँवले सपनों की याद

प्रश्न अभ्यास:

1.किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया?

उत्तर: बचपन के दिनों में एक दिन अचानक उनकी एयरगन से एक गौरैया घायल हो गई, उस दिन सालिम अली को उनका पक्षियों के प्रति प्रेम का आभास ह
अतः उस दिन से उनके जीवन की दिशा बदल गई
वह एक प्रसिद्ध बर्ड वाचर बने।

2.सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?

उत्तर: उन दिनों रेगिस्तानी हवाओं के कारण केरल की साइलेंट वैली दूषित होती जा रही थी तथा ज़मीन के बंजर होने का खतरा उस पर मंडरा रहा था। पूर्व प्रधानमंत्री के सामने सालिम अली ने इन्हीं चीज़ों के भय का चित्र खींचा होगा तथा स्वयं भी ज़मीनी व्य होने के कारण सालिम का प्रकृति के प्रति प्रेम देख उनकी आँखें नम हो गई थीं।

3. लॉरेंस की पत्नी फ्रिडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि "मेरी छत पर बैठने वाली गोरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है" ?

उत्तर: लॉरेंस की पत्नी फ्रिढा ने ऐसा इसलिए कहा होगा क्योंकि लॉरेंस भी सालिम अली की तरह अपना अधिक्तम समय पक्षियों के साथ ही व्यतीत करते थे जिनमें उनकी छत पर बैठने वाली गोरैया भी शामिल थी। लॉरेंस गोरैया के साथ काफ़ी सयय बिताते थे तथा उससे काफ़ी प्रेम भी करते थे और गोरैया भी उनके साथ प्रेमी की भांति रहती थी, फ्रिढा ने इसी संदर्भ वह वाक्य कहा था।

4.आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक ज़िंदगी का प्रतिरूप बन गए थे।

उत्तर: अंग्रेज़ी कवि लॉरेंस एक प्रकृति तथा पक्षी प्रेमी थे। सालिम अली भी लॉरेंस की तरह ही अपने जीवन को प्रकृति के प्रति समर्पित कर चुके थे।

(ख) कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा!

उत्तर: लेखक यहाँ सालिम अली की मृत्यू का दुख प्रकट करते हुए बताते हैं कि अब भले ही कोई अप हृद्य की धड़कन या शरीर का जोश़ देना भी चाहे भी पक्षी रूपी सालिम लोटकर नहीं आ पाऐंगे।

(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाए अथाह सागर बनकर उभरे थे।

उत्तर: सालिम अली का कार्य किसी टापू अर्थात बंधन का मोहताज नहीं था बलकि वह सागर की तरह विशाल, असीमित तथा आज़ाद था।

5.इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा-शैली की चार विशेषताएँ बताइये।

उत्तर: विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

क) लेखक ने अलंकारों का प्रयोग किया है।

ख) लेखक ने पाठ को एक संस्मरण के रूप में लिखा है।

ग) अभीव्यक्ति का भरपूर प्रयोग किया गया है।

घ) लेखक ने पाठ में मिश्रित शब्दों का प्रयोग किया है।

6. इस पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर: सालिम अली प्रकृति तथा पक्षी प्रेमी थे। वह अधिक्तम समय प्रकृति के करीब रहकर गुजा़रना पसंद करते थे। 'बर्ड वाचर' होने के कारण भ्रमण करना उनके जीवन का अहम हिस्सा था। कैंसर उनके मृत्यु का कारण ज़रुर था परंतु कभी उनके अंदर का जुनून नहीं छीन सका।

7." साँवले सपनों की याद" शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर: यह पाठ जाबिर हुसैन द्वारा लिखा गया एक संस्मरण है जिसमें वह सालिम अली की प्रकृति और पक्षियों से भरी सुनहरी दुनिया का विशलेषण करते हैं। साँवले सपनों से उनका अर्थ सालिम अली के उन सपनों का है जो पक्षियों की हिफाज़त करने के लिए वह देखा करते थे। लेखक को इन्हीं सपनों की याद आती है जब सालिम गुज़र जाते हैं।

रचना और अभिव्यक्ति:

8. प्रस्तुत पाठ सालिम अली की पर्यावरण के प्रति चिंता को भी व्यक्त करता है। पर्यावरण को बचाने के लिए आप कैसे योगदान दे सकते हैं?

उत्तर.8. पर्यावरण को बचाने के कुछ तरीके हैं-

क) खुल्ले में शौच न करना।

ख) सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग करना।

ग) नदियों के पानी को प्रदूषित न करना।

घ) वन व पेड़ों को न काटना तथा अधिक से अधि
पौधारोपण करना।

अन्य पाठेतर हल प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

1 प्रश्न : साँवले सपनों का हुजूम कहाँ जा रहा है? उसे रोकना संभव क्यों नहीं है?

उत्तर : साँवले सपनों का हुजूम मौत की खामोश वादी की ओर जा रहा है। इसे रोकना इसलिए संभव नहीं है क्योंकि इस वादी में जाने वाले वे होते हैं जो मौत की गोद में चिर विश्राम कर रहे होते हैं। ये अपना जीवन जी चुके होते हैं।

2 प्रश्न : 'मौत की खामोश वादी' किसे कहा गया है? इसे घाटी की ओर किसे ले जाया जा रहा है?

उत्तर : 'मौत की खामोश वादी' कब्रिस्तान को कहा गया है। इस घाटी की ओर प्रसिद्ध पक्षी प्रेमी सालिम अली को ले जाया जा रहा है जो लगभग सौ वर्ष की उम्र में कैंसर नामक बीमारी का शिकार हो गए और मृत्यु की गोद में सो गए हैं।

3 प्रश्न : सालिम अली के इस सफ़र को अंतहीन क्यों कहा गया है?

उत्तर : सालिम अली के इस सफ़र को इसलिए अंतहीन कहा गया है क्योंकि इससे पहले वाले सफ़रों में सालिम अली जब पक्षियों की खोज में निकलते थे तो वे पक्षियों को देखते ही उनसे जुड़ी दुर्लभ जानकारियाँ लेकर लौट आते थे परंतु इस सफ़र का कोई अंत न होने से सालिम अली लौट न सकेंगे।

4 प्रश्न : मृत्यु की गोद में सोए सालिम अली की तुलना किससे की गई है और क्यों?

उत्तर : मृत्यु की गोद में सोए सालिम अली की तुलना उस वन-पक्षी से की गई है जो जिंदगी का आखिरी गीत गाने के बाद मौत की गोद में जा बसा हो। ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि सालिम अली भी अपनी जिंदगी के सौ वर्ष जीकर मृत्यु को प्राप्त कर चुके हैं। अब वे पक्षियों के बारे में जानकारी एकत्र करने नहीं जा सकेंगे।

5 प्रश्न : सालिम अली की दृष्टि में मनुष्य क्या भूल करते हैं? उन्होंने इसे भूल क्यों कहा?

उत्तर : सालिम अली की दृष्टि में मनुष्य यह भूल करते हैं कि लोग पक्षियों जंगलों-पहाड़ों, झरने-आवशारों आदि को आदमी की निगाह से देखते हैं। उन्होंने इसे भूल इसलिए कहा क्योंकि मनुष्य पक्षियों, नदी-झरनों आदि को इस दृष्टि से देखता है कि इससे उसका कितना स्वार्थ पूरा हो सकता है।

6 प्रश्न : वृंदावन में यमुना का साँवला पानी किन-किन घटनाओं की याद दिलाता है?

उत्तर : वृंदावन में यमुना का साँवला पानी कृष्ण से जुड़ी विभिन्न घटनाओं की याद दिलाता है, जैसे-

- कृष्ण द्वारा वृंदावन में रासलीला रचाना। चंचल गोपियों को अपनी शरारतों का निशाना बनाना।
- माखन भरे बर्तन फोड़ना और दूध-छाली खाना।
- वाटिका में घने पेड़ों की छाँव में बंशी बजाना और ब्रज की गलियों को संगीतमय कर देना जिसे सुनते ही लोगों के कदम ठहर जाना।

7 प्रश्न : वृंदावन में सुबह-शाम सैलानियों को होने वाली अनुभूति अन्य स्थानों की अनुभूति से किस तरह भिन्न है?

उत्तर : वृंदावन में सुबह-शाम सैलानियों को सुखद अनुभूति होती है। वहाँ सूर्योदय पूर्व जब उत्साहित भीड़ यमुना की सँकरी गलियों से गुजरती है तो लगता है कि अचानक कृष्ण बंशी बजाते हुए कहीं से आ जाएँगे। कुछ ऐसी ही अनुभूति शाम को भी होती है। ऐसी अनुभूति अन्य स्थानों पर नहीं होती है।

8 प्रश्न : पक्षियों के प्रति सालिम अली की दृष्टि अन्य लोगों की दृष्टि में क्या अंतर है? 'साँवले सपनों की याद' पाठ के आधार पर लिखिए।

उत्तर : सालिम अली दूर-दूर तक पक्षियों की खोज में यात्रा करते थे। वे बहुत ही उत्साह से दुर्गम स्थानों पर भी पक्षियों की खोज करते, उनकी सुरक्षा के बारे में सोचते और उनसे जुड़ी दुर्लभ जानकारी हासिल करते थे परंतु अन्य लोग पक्षियों को अपने स्वार्थ और मनोरंजन की दृष्टि से देखते हैं।

9 प्रश्न : 'बर्ड-वाचर' किसे कहा गया है और क्यों?

उत्तर : 'बर्ड-वाचर' प्रसिद्ध पक्षी-प्रेमी सालिम अली को कहा गया है क्योंकि सालिम अली जीवनभर पक्षियों की खोज करते रहे और उनकी सुरक्षा के लिए पूरी तरह समर्पित रहे। वे अपने सुख-दुख की चिंता किए बिना आँखों पर दूरबीन लगाए पक्षियों से जुड़ी जानकारी एकत्र करते रहे।

10 प्रश्न : सालिम अली पक्षी-प्रेमी होने के साथ-साथ प्रकृति प्रेमी भी थे। साँवले सपनों की याद पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : सालिम अली पक्षियों से जितना लगाव रखते हुए उनकी सुरक्षा के लिए चिंतित रहते थे उतना ही वे प्रकृति और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी चिंतित रहते थे। वे केरल की साइलेंट वैली को बचाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से मिले और वैली को बचाने का अनुरोध किया।

11 प्रश्न : तहमीना कौन थीं? उन्होंने सालिम अली की किस तरह मदद की?

उत्तर : तहमीना सालिम अली की सहपाठिनी थी जो बाद में उनकी जीवनसंगिनी बनी। उन्होंने सालिम अली के पक्षी-प्रेम के मार्ग में कोई बाधा नहीं खड़ी की। उन्होंने सालिम अली का साथ दिया और प्रकृति से जुड़ने में उनकी मदद की।

1 प्रश्न : 'अब हिमालय और लद्दाख की बरफ़ीली जमीनों पर रहने वाले पक्षियों की वकालत कौन करेगा'? ऐसा लेखक ने क्यों कहा होगा? 'सावले सपनों की याद' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : सालिम अली की मृत्यु पर लेखक के मस्तिष्क में उनसे जुड़ी हर यादें चलचित्र की भाँति घूम गईं। लेखक ने महसूस किया कि सालिम अली आजीवन पक्षियों की तलाश में पहाड़ जैसे दुर्गम स्थानों पर घूमते रहे। वे आँखों पर दूरबीन लगाए नदी के किनारों पर जंगलों में और पहाड़ जैसे दुर्गम स्थानों पर भी पक्षियों की खोज करते रहे और उनकी सुरक्षा के प्रति प्रयत्नशील रहे। वे पक्षियों को बचाने का उपाय करते रहे। इसके विपरीत आज मनुष्य पक्षियों की उपस्थिति में अपना स्वार्थ देखता है। [illegible]म अली के पक्षी-प्रेम को याद कर लेखक

सालिम अली के पक्षी-प्रेम को याद कर लेखक ने ऐसा कहा होगा।

2 प्रश्न : फ्रीडा कौन थी? उसने लॉरेंस के बारे में क्या-क्या बताया?

उत्तर : फ्रीडा डी.एच.लॉरेंस की पत्नी थीं। लॉरेंस के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया था कि मेरे लिए लॉरेंस के बारे में कुछ कह पाना असंभव-सा है। मुझे लगता है कि मेरे छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है। वह मुझसे भी ज्यादा जानती है। वह सचमुच ही इतना खुला-खुला और सादा दिल आदमी थे। संभव है कि लॉरेंस मेरी रगों में, मेरी हड्डियों में समाया हो।

3 प्रश्न : 'साँवले-सपनों की याद' (Sawle Sapno ki Yaad) पाठ के आधार पर बताइए कि सालिम अली को नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप क्यों कहा गया है?

उत्तर : सालिम अली महान पक्षी-प्रेमी थे। इसके अलावा वे प्रकृति से असीम लगाव रखते थे। वे प्रकृति के इतना निकट आ गए थे कि ऐसा लगता था कि उनका जीवन प्रकृतिमय हो गया था। सालिम अली प्रकृति के प्रभाव में आने के कायल नहीं थे। वे प्रकृति को अपने प्रभाव में लाना चाहते थे। पक्षी-प्रेम के कारण वे पक्षियों की खोज करते हुए प्रकृति के और निकट आ गए। नदी-पहाड़, झरने विशाल मैदान और अन्य दुर्गम स्थानों से उनका गहरा नाता जुड़ गया था। जिंदगी में अद्भुत सफलता पाने के बाद भी वे प्रकृति से जुड़े रहे। इस तरह ... जीवन नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन